हाइड्रो सौर्य ऊर्जा का संयत्र आबू में...

- माउण्ट आबू में 20,000 व्यक्तियों तक इस ऊर्जा को पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है।
- 60 मीटर स्क्वायर की 770 पैराबॉलिक होगी डिश।
- इसमें लगाई जाएंगी 800 टुकड़ों वाली सोलर ग्रेड मिरर।
- सूर्य की रोशनी केन्द्रित करके दर्पण का प्रयोग कर भाप निर्माण कर करेंगे उष्मा उत्पादित।

अपने आप में एक अनोखा अजूबा ऊर्जा संयत्र

- वैज्ञानिकों का दावा है कि 2050 के दशक तक सौर्य ऊर्जा द्वारा 25 प्रतिशत तक ऊर्जा की खपत को कर सकते हैं कम।
- भारत का एकमात्र हाइड्रो सोलर प्रोजेक्ट आबू रोड में बना, जिसका खर्चा लगभग 80 करोड़ है।
- विश्व का इकलौता डिश-कम-कास्ट लौह संरक्षण प्रणाली।

1980 के दशक में सौर्य ऊर्जा का उत्पादन एक वास्तविकता बन गया है, जिसमें स्पेन एवं यू.एस. अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। ग्रीन पीस इंटरनेशनल, यूरोपियन थर्मल एलेक्ट्रीसिटी एसोसिएशन तथा इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसीज़ सोलर पेसेज़ ग्रुप द्वारा किये गये अध्ययन से पता चला है कि 2050 के दशक तक सौर्य ऊर्जा द्वारा हम विश्व में हो रही ऊर्जा की खपत को "तीव्र गति से" 25 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं। अब इसका स्वरूप भारत में भी दिखाई दे रहा है। ब्रह्माकुमारीज़ के वर्ल्ड रिन्युअल ट्रस्ट द्वारा सोलर थर्मल पावर प्लांट का निर्माण किया जा रहा है जो कि आबूरोड राजस्थान में स्थित है जिसको दि यूनियन मिनिस्ट्री ऑफ न्यू एण्ड रिन्युएबल एनर्जी और जर्मनी की सहायता से बनाया जा रहा है। यह भारत का एकमात्र सोलर प्रोजेक्ट है। इस पूरे प्रोजेक्ट का खर्चा लगभग दस मिलियन यूरोज़ या 80 करोड़ रुपये से ज़्यादा है। यह अपने आप में इकलौता विश्व का डिश-कम-कास्ट लौह संरक्षण प्रणाली है। इस प्रोजेक्ट के सी.ई.ओ. जयसिम्हा राठौड़ के अनुसार स्वदेशी वस्तुओं और श्रम शक्ति से इसे भारत में बनाना बहुत आसान है। इस इंडिया वन प्रोजेक्ट में 60 मीटर स्क्वायर की 770 पैराबॉलिक डिश होगी तथा प्रत्येक डिश में 800 टुकड़ों वाली सोलर ग्रेड मिरर लगायी जायेगी। उसके आग पकड़ने की तीव्रता इतनी अधिक होगी कि यदि संयोग वश घास, तार या ट्यूब उसपर केन्द्रित हुआ तो वो क्षण भर में जल जायेगा। सौर्य ऊर्जा संरक्षण तकनीक में सूर्य की रोशनी केन्द्रित करने के लिए दर्पण का प्रयोग किया जाता है तथा फिर इसे भाप का निर्माण करने के लिए ऊष्मा में परिवर्तित किया जाता है तथा टरबाइन की सहायता से ऊर्जा का उत्पादन होता है। इस तकनीक द्वारा 2050 तक विश्व में उपयोग की जाने वाली बिजली का 25 प्रतिशत प्राप्त करने की अपेक्षा की जा रही है। इस तकनीक द्वारा ऊर्जा का निर्माण एवं संरक्षण एक सस्ता और बेहतर विकल्प है।

मॉस्को में सुनाई दी वंदे मातरम की गूंज

मॉस्को-रशिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रथम सरकारी मॉस्को यात्रा के दौरान आयोजित स्वागत समारोह में ब्रह्माकुमारीज़ को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। संस्था से जुड़े

मोदी की उपस्थिति में ब्रह्माकुमारीज़ ने प्रस्तुत किया सामूहिक नृत्य

कलाकारों ने फ्रैन्ड्स ऑफ इंडिया शीर्षक के अंतर्गत आयोजित समारोह में `वंदे मातरम गीत पर नृत्य की शानदार प्रस्तुति से ऐसा वातावरण प्रस्तुत किया कि अनुशंसा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं मंच पर आ पहुंचे।

मॉस्को के ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र से ब्र.कु. सुधा ने जानकारी देते हुए बताया कि दो घंटे के समारोह में आधा घंटा समय ब्रह्माकुमारीज़ को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिये प्रदान किया गया था। भारतीय दूतावास के प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में तीन हज़ार भारतीय नागरिक आमंत्रित थे। मोदी जी ने इस अवसर पर रूसी गायक सति काजनोआ द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण पर भी असीम प्रसन्नता जताई। उन्होंने उपस्थित जन-समूह से भावपूर्ण सम्बोधन में कहा कि शीत लहर और वर्षा के बावजूद इस यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रम से वह गदगद अनुभव कर रहे हैं।

स्वागत समारोह में ब्रह्माकुमारीज़ के डिवाइन ग्रुप द्वारा वन्दे मातरम गीत पर प्रस्तुति देने के पश्चात् भारत के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी सभा का अभिवादन करते हुए।

ब्रह्माकुमारीज़ ने इस दौरान दो नृत्य प्रस्तुत किये, जिनमें कलाकारों ने भारत और रूस के राष्ट्रीय ध्वज उठा रखे थे। इसे भारत रूस दोस्ती का प्रतीक बताते हुए भारत माता की जय का उद्घोष किया गया। माननीय मोदी जी के साथ गये वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल प्रधानमंत्री बल्कि उनके लिए भी अविस्मरणीय छाप छोड़ गया है। मोदी जी ने इस कार्यक्रम के माध्यम से ईद-ए-मिलाद व क्रिसमस पर्व की सभी को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच लंबे अरसे से चले आ रहे प्रगाढ़ संबंध और अधिक सुदृढ़ होंगे।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 5th Jan 2016
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।